भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-209

उत्तर देने की तारीख-22/07/2024

शिक्षा के वैश्विक हब के रूप में भारत को पुनः स्थापित करना

†209. श्री हरीभाई पटेल:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार शिक्षा के वैश्विक हब के रूप में भारत के स्थान को पुनः स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है, यदि हाँ, तो भारत को शिक्षा का उत्तम गंतव्य बनाने के उद्देश्य को साकार करने के लिए सरकार द्वारा क्या ठोस कदम उठाए जा रहे हैं;

(ख) क्या सरकार ने उक्त उद्देश्य की सफलतापूर्वक प्राप्ति के लिए भारतीय उच्चतर शिक्षा संस्थानों (एचईआई) के बारे में व्यापक जानकारी प्राप्त करने में विदेशी छात्रों की सहायता हेतु कोई उपाय किया है;

(ग) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) विदेशी छात्रों के नामांकन के लिए अर्हता प्राप्त करने के लिए उच्चतर शैक्षिक संस्थानों के लिए अनिवार्य मानदंड क्या हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) से (घ): राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में उच्चतम वैश्विक मानकों को प्राप्त करने पर व्यापक रूप से ध्यान केंद्रित किया गया है। इस संकल्पना को साकार करने हेतु और भारत को शिक्षा के लिए एक पसंदीदा गंतव्य बनाने के लिए, सरकार ने कई ठोस कदम उठाए हैं:

i. 'स्टडी इन इंडिया' कार्यक्रम भारतीय शिक्षा को बढ़ावा देने और भारत को एक पसंदीदा गंतव्य बनाने के लिए एक प्रमुख पहल है, जिसका समग्र उद्देश्य भारत में अध्ययन हेतु आने वाले अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की संख्या बढ़ाना है।

स्टडी इन इंडिया (एसआईआई) पोर्टल https://studyinindia.gov.in का शुभारंभ 3 अगस्त 2023,को एक समर्पित वेबसाइट के रूप में किया गया जो सर्वश्रेष्ठ भारतीय उच्च शिक्षण संस्थानों (एचईआई) को प्रदर्शित करती है और यह उन विदेशी छात्रों के प्रवेश और वीजा आवेदनों के लिए एकल समाधान केंद्र है जो भारतीय उच्च शिक्षण संस्थानों में उच्च शिक्षण प्राप्त करना चाहते हैं। भारतीय उच्च शिक्षण संस्थानों में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के बाद से प्रत्येक पूर्णकालिक या अल्पकालिक पाठ्यक्रम में प्रवेश पाने के इच्छुक सभी अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को एसआईआई पोर्टल पर पंजीकरण करना अनिवार्य है। यह पोर्टल विदेशी छात्रों को उनकी वीजा आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु एक सुव्यवस्थित तंत्र प्रदान करता है।

निम्नलिखित मानदंडों को पूरा करने वाले भारतीय संस्थान अपने परिसर में विदेशी छात्रों को प्रवेश देने के लिए स्टडी इन इंडिया पोर्टल पर पंजीकरण कर सकते हैं:

i. एनआईआरएफ के 8वें संस्करण में सूचीबद्ध/शामिल संस्थान
ii. क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग एशिया 2024 में सूचीबद्ध संस्थान
iii. 4.0 के पैमाने पर 3.01 और उससे अधिक के वैध एनएएसी स्कोर वाले संस्थान
iv. भारत सरकार के किसी भी वैधानिक निकाय, मंत्रालय जैसे एमएचए, एआईसीटीई, यूजीसी, एनएमसी, एनसीआई, आदि द्वारा स्वायत्त दर्जा प्राप्त संस्थान
v. पिछले 5 शैक्षणिक वर्षों से लगातार 80% प्रवेश पाने वाले संस्थान
vi. राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) के पात्र पाठ्यक्रमों (जिनकी वैधता 30 अप्रैल, 2025 तक को) के 30% वाले उच्च शिक्षण संस्थान

विभिन्न देशों के सक्षम छात्रों से जुड़ने हेतु 'स्टडी इन इंडिया' कार्यक्रम के अंतर्गत नियमित आउटरीच कार्यक्रम, वेबिनार और शैक्षिक मेले आयोजित किए जाते हैं।

ii. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने 8 नवंबर 2023 को भारत में विदेशी उच्च शिक्षण संस्थानों (एफ़एचईआई) के परिसरों की स्थापना को सुविधाजनक बनाने हेतु समर्थकारी विनियम जारी किए हैं। यूजीसी ने 2021 में विनियम भी जारी किए हैं ताकि एफएचईआई के साथ सहयोग करके भारतीय संस्थान युगल उपाधि, संयुक्त उपाधि और दोहरी उपाधि कार्यक्रम प्रदान कर सकें। विदेशों में

भारतीय शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु विदेशों में परिसर स्थापित करने के लिए उत्कृष्ट संस्थानों को स्वीकृति प्रदान की गई है। आईआईटी मद्रास ने जंजीबार, तंजानिया में एक ऑफ-शोर परिसर स्थापित किया है और आईआईटी दिल्ली ने अबू धाबी, संयुक्त अरब अमीरात में ऐसा ही परिसर स्थापित किया है।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, आईएचईआई द्वारा संस्थागत स्तर पर छात्र और संकाय गतिशीलता को सुविधाजनक बनाने, अनुसंधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी स्थापित करने, भारतीय संस्थानों में विदेशी छात्रों के नामांकन की प्रक्रिया को सरल बनाने आदि के लिए कार्यक्रम भी शुरू किए जा रहे हैं।

iii. विश्व स्तरीय विदेशी विश्वविद्यालयों और संस्थानों को गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट सिटी) में अपने परिसर स्थापित करने और वित्तीय प्रबंधन, फिनटेक, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित में पाठ्यक्रम प्रदान करने हेतु अनुमति दी गई है। ऑस्ट्रेलिया के डीकिन विश्वविद्यालय और वोलोंगोंग विश्वविद्यालय ने गिफ्ट सिटी में अपना परिसर स्थापित किया है।

*****